(4) periodic visits by members of the UPSC and other recruiting organizations to foreign countries to enable recruitment of suitable personnel who may not be able to appear for interviews in India.

**Indian Troops with U.N.O.**

**40. Shri S. R. Damani:** Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that our troops have been put at the disposal of U.N.O. as and when request was received; and

(b) if so, the present strength of Indian troops with U.N.O. and where they are stationed?

**The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla):** (a) and (b). At present Indian troops are serving with the United Nations Emergency Force in Gaza only. The sanctioned strength of our troops is 1002.

**भारत चीन संघर्ष के पश्चात् चीन से आये हुये भारतीय**

**41. श्री जगन्नाथ राव जोशी :**
**श्री हुकम चन्द कछवाय :**
**श्री राम सिंह आयरवाल :**

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1962 में भारत-चीन संघर्ष के दौरान चीन से कितने भारतीय भारत में आये;

(ख) उन में से कितने व्यक्तियों ने "बैंक आफ चाइना" में अपने खाते खोल रखे थे ;

(ग) क्या यह सच है कि इन व्यक्तियों ने अपनी राशि वापस लेने के लिये कई पत्र भेज दिये हैं किन्तु अभी तक वह राशि उन्हें नहीं मिली है ; और

(घ) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

**वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री चु० म० चागला):** (क) 1962 में चीन में 70 भारतीय राष्ट्रिक थे । 1966 के अन्त तक ये आंकड़े 29 तक रह गये ।

(ख) सही संख्या तत्काल सुलभ नहीं है । लेकिन पांच मामले सरकार के ध्यान में आए हैं ।

(ग) और (घ). इन भारतीय राष्ट्रिकों को बैंक आफ चाइना की चीनी शाखाओं ने भारत स्थित अपनी शाखाओं अथवा अन्य भारतीय बैंकों के नाम 2 नवम्बर, 1962 के बाद ड्राफ्ट दिए ये जब कि कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेशों के अन्तर्गत भारत-स्थित बैंक आफ चाइना की शाखाओं को परिसमाप्त कर दिया गया था । 1962 में चीनी आक्रमण के फलस्वरूप जो भारतीय शरणार्थी विस्थापित हो गए थे, उनकी कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, यह महसूस किया गया था कि परिसमापन की कार्यवाही के पूरा हो जाने के बाद बैंक आफ चाइना के मुख्य कार्यालय के खाते में जो शेष धन राशि जमा हो, उसमें से इस तरह के दावों को भुगतान किया जाए । इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इन भारतीय राष्ट्रिकों के बैंक आफ चाइना द्वारा दिए गये ड्राफ्टों का भुगतान करने के लिए 31-1-1963 का दिन नियत किया गया था । जिन व्यक्तियों को उस नियत तारीख तक ड्राफ्ट दिए गए थे, उन्होंने सरकारी परिसमापक (लिक्विडेटर), हाई कोर्ट, कलकत्ता के साथ सीधे सम्पर्क रखा । एक मामला ऐसा था, जिसमें कुछ पेचीदगी पैदा हुई क्योंकि बैंक आफ चाइना ने कई ड्राफ्ट जारी कर दिए थे, कुछ तो इतनी देरी से दिए थे कि उन पर सितम्बर, 1963 की तारीख थी । लेकिन यह एक मामला विशेष मामला समझा गया और सरकारी परिसमापक, हाई कोर्ट, कलकत्ता ने निश्चय

तारीख बाद अदायगी करना स्वीकार कर लिया है।

इसके अलावा सरकार को और किसी मामले की जानकारी नहीं है जिसमें राशि वापस ले लेने की प्रार्थना की गई हो।

### पाकिस्तान में गुरुद्वारों तथा मन्दिरों की हालत

42. श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह आयरवाल :
श्री ओंकार सिंह :
श्री कंवर लाल गुप्त :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पाकिस्तान में गुरुद्वारे तथा मन्दिर जीर्ण अवस्था में हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने पाकिस्तान सरकार के साथ इस मामले में कोई पत्र-व्यवहार किया है; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या परिणाम निकले ?

**वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री मु० क० चागला) :** (क) से (ग). पाकिस्तान में गुरुद्वारों और मन्दिरों की दशा असंतोषजनक है। गुरुद्वारों के रख-रखाव और उनकी देखभाल के लिये सेवादार नियुक्त करने का सवाल और मन्दिरों से संलग्न संपत्तियों के दुरुपयोग के मामले पाकिस्तान सरकार के ध्यान में लाए जा चुके हैं। यह आशा की जाती है, कि पाकिस्तान सरकार दशा को सुधारने के लिये जल्दी कार्रवाई करेगी।

### Demolition of Mosques in China

**43. Shri Baburao Patel:**
**Shri Hukam Chand Kachwai:**
**Shri Ram Singh Ayarwal:**

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that China is demolishing hundreds of Muslim mosques and burial grounds on a mass scale and growing crops in the space thus acquired;

(b) whether a protest on behalf of the Muslims in India has been lodged against this communistic vandalism of Islamic Institutions;

(c) if so, when; and

(d) if not, the reasons therefor?

**The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla):** (a) to (d). The Government of India have seen reports of large-scale persecution of Muslim and descration of mosques in China under the so-called Cultural Revolution. The Government deplore such anti-religious activities. No protest, however, has been lodged with the Government of China since those affected by this persecution are not Indian nationals.

### Children's Film Society

**44. Shri Baburao Patel:**
**Shri Onkar Singh:**
**Shri Hukam Chand Kachwai:**

Will the Minister of **Information and Broadcasting** be pleased to state:

(a) how the criminal charge against the ex-Secretary of the Children's Film Society, who had misappropriated funds of the Society was turned into a civil claim by Government;

(b) the reasons for not filing a criminal complaint against him in spite of perfect evidence of criminal misappropriation of money; and

(c) when the civil suit would be concluded and the chances of recovering the loss from the ex-Secretary?